

डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो, दस आज्ञाएँ, सत्र 9, आज्ञा 8 - चोरी मत करो

यह डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो द्वारा दस आज्ञाओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 9, आज्ञा 8, चोरी न करें है।

तो अब हम आठवीं आज्ञा पर आते हैं, तुम चोरी नहीं करोगे। मैं वास्तव में सोचता हूँ कि इन पारस्परिक आज्ञाओं में गंभीरता में कमी, या यदि गंभीरता नहीं है, तो चोट की प्रत्यक्षता में कमी की भावना शामिल है। हम एक ऐसे मामले पर आते हैं जहाँ स्पष्ट रूप से यदि आप किसी को मारते हैं, तो आपने उन्हें किसी अन्य प्रकार की स्थिति की तुलना में अधिक नुकसान पहुँचाया है, है न? व्यभिचार करना, निश्चित रूप से, बहुत बुरा माना जाता था, यह रिश्ते को कमजोर करता था, और इसके साथ बहुत कठोर दंड शामिल थे। किसी से चोरी करना अभी भी बुरा है, लेकिन जैसा कि आप देखेंगे, इसे इन अन्य चीजों की तरह उतना बुरा नहीं माना जाता है।

ऐसा लगता है कि दस आज्ञाओं के संगठन में चोट पहुँचाने की प्रत्यक्ष भावना कम होती जा रही है। कम से कम मेरे दिमाग में, मैं इसे इस तरह से उचित ठहराता हुआ देख सकता हूँ। लेकिन एक बार फिर, संपत्ति के अधिकार ऐसी चीज है जिसे हम हल्के में लेते हैं।

यह विचार कि यदि आप किसी चीज़ के मालिक हैं, तो आपको उसे रखने का अधिकार होना चाहिए, और आपका बड़ा, ताकतवर पड़ोसी आपकी संपत्ति पर आकर यह तय नहीं कर सकता कि वह आपका लॉनमूवर ले जाएगा। नहीं, आप जानते हैं, यह आपकी है, और आपको इसे रखने की ज़रूरत है, और आप नहीं चाहते कि वह इसे अपने पास रखे। इसलिए समाज को शक्तिशाली लोगों को कम शक्तिशाली लोगों से सामान छीनने से रोकने के लिए कानून बनाने होंगे।

और हम पाते हैं कि प्राचीन कानून संहिताओं में चोरी के मामलों के लिए बहुत जगह दी गई थी। अब, मैंने बताया कि कैसे असीरियन कानून संहिताओं के मध्य में व्यभिचार के लिए बहुत सारी चीज़ें समर्पित थीं। हम्मुराबी के कानून संहिता में वास्तव में चोरी पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है।

अगर कोई मंदिर या अदालत से कुछ चुराता है, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी, ठीक है? और साथ ही, जो कोई भी चोरी का सामान प्राप्त करता है, उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। इसलिए आप मंदिर या राज्य से चोरी करते हैं, हम्मुराबी के कानून संहिता में, यह एक मृत्युदंड अपराध है। अगर कोई किसी दास के बेटे या किसी अन्य के दास से बिना गवाह या अनुबंध के चांदी और सोना, पुरुष या महिला दास, बैल या भेड़, गधा या कुछ भी खरीदता है, या चोरी की गई संपत्ति का प्रभार लेने के लिए सहमत होता है, तो उसे चोर माना जाता है, और उसे मौत की सज़ा दी जाएगी।

ठीक है? अगर कोई चोरी करने के लिए घर में घुसता है, तो उसे प्रवेश के स्थान पर ही मार दिया जाएगा और वहीं दफना दिया जाएगा। अब, यह सोचने के लिए दिलचस्प बातों में से एक है, है न?

आप जानते हैं, इसलिए अगर कोई आपकी खिड़की में रेंग रहा है, और आप इसे देखते हैं, तो आप जानते हैं, आप उन्हें मार देते हैं, और फिर आप उन्हें उस खिड़की के नीचे दफना देते हैं। तो, हाँ, वे वहीं डेज़ी को धकेल रहे होंगे, और हर बार जब आप उन डेज़ी को देखेंगे, तो आप सोच सकते हैं, यहीं पर किसी ने चोरी करने की कोशिश की, मेरे घर में घुसने की कोशिश की।

अगर कोई व्यक्ति डकैती करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। अगर लुटेरा पकड़ा नहीं जाता है, तो जिस व्यक्ति से लूट हुई है, उसे शपथ लेकर अपने नुकसान की भरपाई करनी होगी। फिर उस समुदाय को, जो उस क्षेत्र में रहता है, जहाँ डकैती हुई थी, उसे चोरी हुए सामान की भरपाई करनी होगी।

ओह, आखिरकार, मृत्यु दंड के बजाय वित्तीय दंड। लेकिन हाँ, मेरा मतलब है, हम्मुराबी की संहिता में चोरी के बारे में शायद हमारे पास मौजूद किसी भी अन्य प्राचीन कानून संहिता की तुलना में सबसे सख्त कानून हैं। उर-नाम्मू की संहिता दंड के मामले में उतनी सख्त नहीं थी, लेकिन हम्मुराबी की संहिता में चोरी को बहुत गंभीरता से लिया गया है।

पुराने नियम में संपत्ति के अधिकार उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने कि कुछ अन्य कानून संहिताओं में थे, और यह दस आज्ञाओं में भी शामिल है। एक बार फिर, बस दो छोटे शब्द, लो टिग्नोव, तुम चोरी नहीं करोगे। तुम चोरी नहीं करोगे।

लेकिन हम्मुराबी के नियमों के विपरीत, पुराने नियम में, ज़्यादातर चोरी की सज़ा सिर्फ़ जुर्माने से दी जाती है। इसे देखिए। अगर कोई चोरी करता है, तो चोरी करने वाले को निश्चित रूप से क्षतिपूर्ति करनी होगी।

लेकिन अगर उनके पास कुछ नहीं है, तो उन्हें चोरी की कीमत चुकाने के लिए बेचा जाना चाहिए। अगर चोरी किया गया जानवर उनके पास ज़िंदा पाया जाता है, चाहे वह बैल हो, गधा हो या भेड़, तो उन्हें दोगुना वापस करना होगा। इसलिए, इस कानून के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति कुछ चुराता है और उसके पास प्रतिपूर्ति करने की क्षमता नहीं है, तो उसे बंधुआ बनाकर बेच दिया जाएगा।

अब, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको हमेशा के लिए गुलाम बना लिया जाएगा। मेरा मतलब है, यह अस्थायी भी हो सकता है जब तक आप अपना कर्ज चुकाने का काम करते हैं या कुछ और, लेकिन उन्हें जो कुछ भी उन्होंने लिया है उसे चुकाना होगा। यह निर्गमन की पुस्तक, अध्याय 22 के अनुसार है।

एक प्रकार की चोरी जो मृत्युदंड लाती है वह है किसी इंसान की चोरी। और मुझे लगता है कि मैंने पहले भी उल्लेख किया होगा कि ऐसे बहुत से विद्वान हैं जो तर्क देते हैं कि आज्ञा, आपको चोरी नहीं करनी चाहिए, विशेष रूप से अपहरण को संदर्भित करती है, क्योंकि वे तर्क देना पसंद करते हैं कि सभी दस आज्ञाएँ मूल रूप से मृत्युदंड योग्य अपराध थीं। मुझे लगता है कि यह तर्क की एक बड़ी छलांग है, एक खिंचाव, आप जानते हैं, लेकिन कभी-कभी जब विद्वान यह पता

लगाने की कोशिश करते हैं कि इन अंशों को एक साथ क्या जोड़ता है, तो वे बस अंशों को फिर से लिख देंगे ताकि वे अधिक सुसंगत लगें।

और इसलिए उनके सुसंगति का सिद्धांत यह होगा कि ये सभी चीजें मूल रूप से मृत्युदंड योग्य अपराध थीं। और आप चोरी नहीं करेंगे, मूल रूप से, वे कहते हैं, एक इंसान को चुराने का संदर्भ होगा। मुझे ऐसा नहीं लगता, लेकिन यह चोरी के दायरे में आता है।

अगर कोई इंसान चुराता है, तो आप उसे क्यों चुराएँगे? शायद फिरौती के लिए नहीं, शायद गुलामी में बेचने के लिए। हाँ, अगर आपने किसी को चुराया है, तो आप उसे गुलामी में बेचने का इरादा रखते हैं, और आप सोच सकते हैं कि इसमें कितनी भयानक चीजें शामिल हो सकती हैं, आप जानते हैं, चाहे उन्होंने उन्हें पहले ही बेच दिया हो, या अगर वे अभी भी उनके पास हैं, तो वे निश्चित रूप से मर जाएँगे। यह उन चीजों में से एक थी जिसे पुराने नियम ने स्वीकार नहीं किया, किसी को उसकी स्वतंत्रता से वंचित किया जाना, और बहुत संभव है कि उसका जीवन, क्योंकि, आप जानते हैं, अगर आपके पास कोई गुलाम है जिसे चुराया गया है, जिसे आपने अपहरण करके गुलामी में बेच दिया है, तो उनके साथ वैसा सम्मान या सम्मान नहीं किया जा सकता है जैसा किसी ऐसे व्यक्ति के साथ किया जाता है जो शायद गुलामी में बड़ा हुआ हो, या कोई ऐसा व्यक्ति जो पेशेवर गुलाम था, क्योंकि उन दिनों ऐसे लोग भी होते थे।

लेकिन एक सिद्धांत जो हम देखते हैं, वास्तव में, मुझे लगता है, चोरी के बारे में पुराने नियम के कानून में बहुत अधिक प्रतिरूपित किया गया है, वह यह है कि लोग संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण हैं। लोग संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण हैं। अब, यह कुछ ऐसा है जिसे हमें सीखना चाहिए और दिल से अपनाना चाहिए।

यह आज्ञा दस आज्ञाओं के अंत में आती है। आप जानते हैं, हमारे पास भगवान के प्रति अपने दायित्व हैं, हमारे पास अपने माता-पिता के प्रति अपने दायित्व हैं, और हमारे पास अपने पड़ोसियों को जीने देने और अपने जीवनसाथी को धोखा न देने के दायित्व हैं। और अब, अंत में, हम इस सवाल पर आ गए हैं कि मैं अपनी चीज़ों की सुरक्षा कर रहा हूँ या नहीं।

आप जानते हैं, और यह कितना महत्वपूर्ण है कि मैं अपनी चीज़ों की सुरक्षा करूँ? ठीक है, हाँ, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन यह जीवन जितना महत्वपूर्ण नहीं है। अगर कोई आपका सामान चुराता है, नहीं, आपको उसे मारने का अधिकार नहीं है। आप जानते हैं, उनका जीवन आपकी संपत्ति से ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

ठीक है? और यहाँ भी दिलचस्प बात यह है कि जब आप इसके बारे में सोचते हैं, तो इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप किससे चोरी कर रहे हैं। आप जानते हैं, कुछ अन्य प्राचीन कानून संहिताओं में, यदि कोई निम्न-वर्ग का व्यक्ति उच्च-वर्ग के व्यक्ति से चोरी करता है, तो उसे दंडित किया जाता है। आप जानते हैं? यदि आप किसी मंदिर से चोरी करते हैं, तो आपको दंडित किया जाता है।

लेकिन बाइबल यह भेद नहीं करती। लोग संपत्ति से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। इस्राएल में चोरों को खुली छूट नहीं थी।

अगर कोई चोर घर में सेंध लगाते हुए पकड़ा जाता है, और उसे मारा जाता है, और वह मर जाता है, तो उस पर खून का कोई अपराध नहीं बनता। लेकिन अगर चोर पर सूरज उगता है, तो हत्यारे पर खून का अपराध बनता है। तो, हम यहाँ क्या कह रहे हैं? तो चलिए मान लेते हैं कि कोई आपकी खिड़की में घुस आया है।

आप सुनते हैं कि कोई आपके घर में घुस रहा है। आपका परिवार वहाँ है। आपके जानवर वहाँ हैं।

आपको खुद को और अपने परिवार को बचाने का अधिकार है, क्योंकि आप नहीं जानते कि उस व्यक्ति के मन में क्या है। इसलिए, अगर कोई रात में आपके घर में घुसता है, और आप उस व्यक्ति को मार देते हैं, तो कोई खून का अपराध नहीं बनता। आप जिम्मेदार नहीं हैं।

लेकिन मान लीजिए कोई आपके घर में घुसकर चोरी करता है, और आपका स्टीरियो, आपका प्राचीन नियर ईस्टर्न स्टीरियो, छीन लेता है और आपके घर से बाहर रेंगता हुआ निकल जाता है, और आप उसे रेंगते हुए देखते हैं, और आप कहते हैं, मैं जानता हूँ कि वह कौन है। वह नीचे गली का बिल है। उसने अभी-अभी मेरा स्टीरियो चुराया है।

तो, अगले दिन, आप सड़क पर मार्च करते हुए जाते हैं, और आप देखते हैं कि बिल ने आपके स्टीरियो को सामने रखा हुआ है, जिस पर कीमत का टैग लगा हुआ है। आप जानते हैं, वह यार्ड सेल कर रहा है। और आप बिल के पास जाते हैं, और उसे मार देते हैं।

बाइबल कहती है कि तुम एक हत्यारे हो, और तुम्हें एक हत्यारे के रूप में ही मृत्युदंड दिया जाएगा, क्योंकि बिल को पकड़ा जा सकता था। उससे क्षतिपूर्ति भी ली जा सकती थी। तुमने इन सब बातों को नज़रअंदाज़ कर दिया।

इसके बजाय, आपने जुर्माना लिया और बदला लिया, जो आपके साथ हुए अन्याय के अनुपात से बाहर था। इज़राइली कानून में संपत्ति को लोगों से ज़्यादा अहमियत दी जाती है। डलास, टेक्सास में 1995 में कई साल पहले एक दिलचस्प कहानी हुई थी।

शेड्रिक बैबल्स नामक एक युवक सुबह 5:30 बजे अपनी कार का अलार्म बजने पर जाग गया। इसलिए बैबल्स ने अपनी स्वचालित राइफल निकाली और वह यह देखने के लिए बाहर गया कि क्या हो रहा है। याद रखें, यह डलास, टेक्सास है।

वैसे भी, उसे पता चलता है कि एक किशोर उसकी कार से उसके 60 डॉलर के हबकैप्स को निकालने की कोशिश कर रहा है। बैबल्स उस युवक पर गोली चलाता है, लेकिन वह चूक जाता है। युवक भाग जाता है।

वह देखता है कि भागने वाली एक कार उस युवक का इंतज़ार कर रही है। वह भागने वाली कार पर गोलियां चलाता है और गोलियों की बौछार करता है, जिससे कार में सवार एक 15 वर्षीय और एक 16 वर्षीय किशोर की मौत हो जाती है और कार का ड्राइवर घायल हो जाता है। डलास में एक सर्किट कोर्ट ने निर्धारित किया कि बैबल्स ने अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए कानूनी रूप से काम किया था।

जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह विडंबनापूर्ण लगता है। टेक्सास, जो खुद को, आप जानते हैं, बाइबल बेल्ट का बकल मानता है, ने इस मामले में शास्त्रों को बहुत हद तक नज़रअंदाज़ कर दिया। लेवित्स की पुस्तक के अनुसार, अगर कोई चोर को मारता है, तो जब तक कि वह अपने जीवन या अपने परिवार की रक्षा नहीं कर रहा हो, तो वह हत्यारा है।

संपत्ति से पहले लोग आते हैं। जीवन स्वामित्व से ज़्यादा बुनियादी अधिकार है। बेशक, इसका मतलब यह नहीं है कि चोर बेखौफ़ होकर बच निकलते हैं।

बाइबल चोरी को नज़रअंदाज़ नहीं करती। वास्तव में, पुराने नियम में चोरी और उसके साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, इस बारे में कई कानून हैं। आप जानते हैं, चोरी को न केवल आपके पड़ोसियों का अपमान माना जाता है और न ही उन्हें उनकी मेहनत की कमाई से वंचित करना माना जाता है।

बाइबल में इसे ईश्वर का अपमान भी माना गया है। बाइबल के अनुसार, ईश्वर ने न केवल स्वर्ग और पृथ्वी की सभी चीज़ों का निर्माण किया है, बल्कि अंततः ईश्वर ही स्वर्ग और पृथ्वी की सभी चीज़ों का स्वामी है। ओह, उत्पत्ति की पुस्तक में यह अद्भुत वाक्यांश है, जो ईश्वर को स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माता बताता है, और इस बात पर बहस होती रही है कि इसका क्या अर्थ है।

और हाँ, सबसे संभावित व्याख्या यह है कि इसका मतलब मालिक है। भगवान सब कुछ के मालिक हैं। और हम सुनते हैं कि, निश्चित रूप से, भजन संहिता की पुस्तक में भगवान एक हजार पहाड़ियों पर मवेशियों के मालिक हैं।

आखिरकार, परमेश्वर सभी चीज़ों का स्वामी है, और परमेश्वर को यह निर्धारित करने का अधिकार है कि उन चीज़ों को कैसे वितरित किया जाए। और एक चोर उस प्रक्रिया को कमज़ोर कर देता है। इसलिए, आधुनिक कानून की तरह, बाइबल भी दो अलग-अलग प्रकार की चोरी के बीच अंतर करती है।

आप जानते हैं, चोर जो बल प्रयोग करते हैं या बल प्रयोग की धमकी देकर अपनी मनचाही चीज़ छीन लेते हैं, और चोर जो किसी से उसका सामान छीनने के लिए गोपनीयता या विश्वासघात का प्रयोग करते हैं। इनमें से एक को हम डकैती कहेंगे, और दूसरे को हम चोरी या इसी तरह की कोई चीज़ कह सकते हैं, आप जानते हैं। उम, कोई ऐसा व्यक्ति जो, उम, बस काउंटरटॉप पर पड़ी कोई चीज़ देखकर उसे उठाकर जेब में रख लेता है, वह उस व्यक्ति से बहुत अलग है जो आप पर बंदूक तानता है और कहता है, मुझे अपना सामान दे दो।

बाइबल, निश्चित रूप से, उन लोगों को अधिक गंभीर अपराधी मानती है जो बल प्रयोग करते हैं या बल प्रयोग की धमकी देते हैं, उन लोगों की तुलना में जो केवल ऐसी चीज़ लेते हैं जो उनकी नहीं है। फिर से, जीवन संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है। उत्पीड़क एक ऐसा शब्द है जिसका उपयोग पुराने नियम में बहुत अधिक किया गया है, और बाइबल उत्पीड़कों को पसंद नहीं करती है।

आम तौर पर, जब हम उत्पीड़कों के बारे में सोचते हैं और जिस तरह से आज चर्च में अक्सर इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, हम उत्पीड़कों को बड़े व्यापारियों के रूप में सोचते हैं जो अपने कर्मचारियों से काम करवाते हैं, और यह निश्चित रूप से इसका एक पहलू है। लेकिन बाइबल में, सशस्त्र लुटेरे भी उत्पीड़क हैं। ऐसे लोग हैं जो किसी और का सामान छीनने के लिए बल और धमकी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ब्लैकमेलर। उन दिनों ब्लैकमेलिंग की प्रथा थी और ब्लैकमेलर को अत्याचारी माना जाता था। और इसे चोरी का एक रूप माना जाता था और इसके लिए कड़ी सज़ा दी जाती थी।

और फिर वहाँ धनी अपराधी हैं, जो अपनी शक्ति और पद का उपयोग दूसरों को उनके अधिकारों और संपत्ति से वंचित करने के लिए करते हैं। विधवाओं और अनाथों को धोखा देने वाले लोग, निश्चित रूप से, भविष्यद्वक्ताओं में एक बड़े व्यक्ति थे, कि वे हमेशा उन लोगों के बारे में चिंतित रहते हैं जो विधवाओं और अनाथों के अधिकारों की अनदेखी करते हैं, जिनके पास उनके लिए बोलने वाला कोई नहीं है। नियोक्ता जो अपने श्रमिकों का फायदा उठाते थे, वे भी अत्याचारी थे।

लैव्यव्यवस्था 19 में हम पढ़ते हैं, अपने पड़ोसी को धोखा न दें या लूट न लें। रात भर काम पर रखे गए मज़दूर की मज़दूरी न रोकें। यह अंश, यह, उह, यह निर्देश चोरी न करने की इस आज्ञा पर टिप्पणी के संदर्भ में आता है।

इसलिए, अपने कर्मचारियों से पैसे लेना, उनका वेतन रोकना, यह भी इस आज्ञा का उल्लंघन माना जाता था, तुम चोरी नहीं करोगे। लेकिन चलिए मामले के मूल में वापस आते हैं। चोरी करना गलत क्यों है? क्या, आप जानते हैं, उम्म, चोरी करना प्यारा नहीं है, आप जानते हैं, आप जानते हैं, खासकर अगर आपके पास चोर या ऐसा कुछ है।

और ऐसी बहुत सी फ़िल्में हैं जहाँ चोर लगभग हीरो की तरह होता है, या, और आप उनके लिए खुशियाँ मना रहे होते हैं, आप जानते हैं, सारा सामान लेकर भाग जाने के लिए, सामान और ऐसी ही दूसरी चीज़ें, खासकर तब जब वे किसी ऐसे व्यक्ति से चोरी कर रहे हों जो वाकई बहुत अमीर हो। हमें चोरी को गलत क्यों समझना चाहिए? यहाँ मूल मुद्दा क्या है? खैर, ज़ाहिर है, इसका जवाब यह है कि आप अपने पड़ोसी को चोट पहुँचा रहे हैं।

आप अपने पड़ोसी को उसकी संपत्ति से वंचित कर रहे हैं। लेकिन एक कम स्पष्ट सिद्धांत है, जिस पर वास्तव में, पुराने नियम में कई बार जोर दिया गया है। कम स्पष्ट यह है कि चोरी करना परमेश्वर के प्रावधान में विश्वास की कमी को दर्शाता है।

इसलिए अगर मुझे लगता है कि मुझे अपने परिवार के लिए भोजन की आवश्यकता है, तो मैं भगवान पर भरोसा नहीं करता कि वह मुझे भोजन देगा। इसके बजाय, मैं जाकर अपने पड़ोसी से भोजन चुरा लेता हूँ। अब नीतिवचन की पुस्तक हमें बताती है कि, आप जानते हैं, कि जब कोई चोर अपने परिवार का पेट भरने के लिए चोरी करता है, तो आप उससे घृणा नहीं करते, आप जानते हैं, लेकिन एक भावना यह है कि जब कोई व्यक्ति अपने परिवार का पेट भरने के लिए चोरी करता है, तो वह यह प्रदर्शित करता है कि उसे वास्तव में भगवान पर भरोसा नहीं है कि वह उनका भरण-पोषण करेगा।

भजन 62, 8 से 10, हमें बताता है, "हे लोगों, हर समय उस पर भरोसा रखो। अपने दिल की सारी बातें उससे कहो, क्योंकि परमेश्वर हमारा शरणस्थान है। निश्चय ही नीच जन्म वाले लोग केवल एक सांस हैं, और ऊंचे जन्म वाले लोग केवल एक झूठ हैं।"

अगर तराजू पर तौला जाए तो वे कुछ भी नहीं हैं, साथ में वे सिर्फ़ एक साँस हैं। ज़बरदस्ती वसूली पर भरोसा मत करो और न ही चोरी की चीज़ों पर व्यर्थ आशा रखो। हालाँकि तुम्हारी दौलत बढ़ेगी, लेकिन उस पर अपना दिल मत लगाओ।

इसलिए परमेश्वर कहता है, प्रभु पर भरोसा रखो, दूसरों से जबरन वसूली करने या उनसे लेने की अपनी क्षमता पर भरोसा मत करो। यहाँ मूल सिद्धांत यह है कि आपको उन तरीकों पर भरोसा करने की ज़रूरत है जो परमेश्वर ने हमारे सामान को वितरित करने के लिए स्थापित किए हैं। बुनियादी मुद्दा यह है कि चोरी करना परमेश्वर के सामान बनाने और वितरित करने के तरीकों को दरकिनार कर देगा।

सच्ची कहानी, वैसे, यहाँ एक छोटा सा शराबी है, आप उसकी नज़दीकी आँखें देख सकते हैं, यह हमेशा एक अपराधी की निशानी होती है। हाँ, यहाँ एक छोटा सा शराबी अपने पड़ोस में घूम रहा था और लोगों के कपड़ों की लाइन से उनके कपड़े चुरा रहा था और उनके पास उनका एक बड़ा संग्रह था। मुझे यकीन नहीं है कि उसे कैसे दंडित किया गया था, लेकिन मुझे संदेह है कि उसने शायद खुद को थोड़ा और सुरक्षित तरीके से बंद पाया होगा।

लेकिन, चोरी करना भगवान द्वारा बनाए गए उन तरीकों को दरकिनार कर देता है जिनके द्वारा हमारा माल वितरित किया जाता है। माल कैसे वितरित किया जाता है? खैर, इसका संबंध उस बुरे काम शब्द से है, उस बुरे W शब्द से, जिसे लोग कभी-कभी पसंद नहीं करते। लोगों को काम के लिए बनाया गया है।

काम हमारा अभिशाप नहीं है। काम करना परमेश्वर के आशीर्वाद प्राप्त करने का हमारा तरीका है। उत्पत्ति अध्याय 2, श्लोक 15, प्रभु परमेश्वर ने मनुष्य को लिया और उसे काम करने और उसकी देखभाल करने के लिए अदन के बगीचे में रखा।

एक मिनट रुको, मैंने सोचा कि ईडन में, हर कोई हर समय बोनबोन्स खाते हुए बैठा रहता था, है न? ऐसा नहीं लगता था कि उन्हें ऐसा करना ही था, लेकिन हाँ, मनुष्य को ईडन के बगीचे में काम करने के लिए रखा गया था, और यह स्वर्ग है। नहीं, क्योंकि वह काम कर सकता है। और अपने

काम के माध्यम से, वह बगीचे को उपजाऊ बना सकता है और उसे फल दे सकता है, और फिर वह इसके आशीर्वाद में हिस्सा ले सकता है।

उत्पत्ति 3:19, पाप के चित्र में प्रवेश करने के बाद, अपने माथे के पसीने से, तुम अपना भोजन तब तक खाओगे जब तक तुम मिट्टी में वापस नहीं मिल जाओगे, क्योंकि तुम उसी से निकाले गए थे। क्योंकि तुम मिट्टी हो, और मिट्टी में ही मिल जाओगे। इसलिए, परमेश्वर का अभिशाप कहता है, तुम अपना भोजन कैसे प्राप्त करोगे? तुम कैसे जीविका चलाओगे? अपने माथे के पसीने से, तुम इसके लिए काम करने जा रहे हो।

हाँ। अब, इसमें और इसमें अंतर यह है कि, आप जानते हैं, यहाँ यह कठिन हो जाता है। यहाँ काम एक बोझिल काम है, क्योंकि परमेश्वर आदम से कहता है कि ज़मीन काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी, और उसके सारे अच्छे कामों का नतीजा घटता जाएगा।

क्या आपको कभी अपनी नौकरी में ऐसा महसूस हुआ है? शायद, आप जानते हैं, कभी-कभी, हाँ। काम पर अभिशाप। लेकिन दूसरी ओर, काम से मुक्ति नहीं मिलती।

हम अपने माल का उत्पादन करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करते हैं। हम शाप के बाद भी काम करना जारी रखते हैं, भले ही यह थोड़ा कठिन हो जाए। नीतिवचन 21, आयत 25, आलसी की लालसा उसकी मृत्यु का कारण बनेगी, क्योंकि उसके हाथ काम करने से इनकार करते हैं।

दिन भर वह और अधिक चाहता है, लेकिन धर्मी बिना किसी संकोच के देता है। इसलिए, नीतिवचन की पुस्तक, निश्चित रूप से, आलसी के बारे में कई बार बात करती है और इस तथ्य के बारे में कि ये वे लोग हैं जो काम नहीं करना चाहते हैं। और शास्त्रों के अनुसार, यह वह तरीका नहीं है जिससे परमेश्वर चाहता है कि हम अपनी ज़रूरतों को पूरा करें और अपनी ज़रूरतों को पूरा करें।

नया नियम, बेशक, उसी भावना को जारी रखता है। 2 थिस्सलुनीकियों में, पौलुस इस तथ्य के बारे में बात करता है कि वह कभी किसी पर बोझ नहीं था, बल्कि वह जीविका के लिए काम करता था। क्योंकि जब हम तुम्हारे साथ थे, तब भी हमने तुम्हें यह आज्ञा दी थी : जो कोई काम करने को तैयार नहीं है, उसे खाना नहीं चाहिए।

भगवान ने दूसरों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक तरीका बनाया है, और वह तरीका है हमारे काम, हमारी मेहनत के ज़रिए। पॉल फिर से, इफिसियों 4.28, आपको कभी-कभी ऐसा महसूस होता है कि पॉल शायद थोड़ा बहुत काम के प्रति जुनूनी रहा होगा। आप जानते हैं, मुझे लगता है कि वह और एलन मस्क वाकई बहुत अच्छे से मिल सकते थे।

लेकिन, जो लोग चोरी करते हैं, उन्हें चोरी करना छोड़ देना चाहिए; इसके बजाय, उन्हें अपने हाथों से मेहनत करनी चाहिए, अच्छे काम करने चाहिए, ताकि ज़रूरतमंदों के साथ साझा करने के लिए उनके पास कुछ हो। तो, यहाँ हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं। लोगों से लेने या चोरी करने के बजाय काम करें।

जब आप इसके बारे में सोचते हैं, तो यह बहुत दिलचस्प लगता है, आप जानते हैं, यह विचार कि उन दिनों में ईसाई लोग सामान चुराते थे, और इसी तरह वे अपना भरण-पोषण करते थे। लेकिन जाहिर है, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पॉल को लगा कि उसे इस सवाल का जवाब देना चाहिए। 1 कुरिन्थियों 6:10, चोर, लालची, शराबी, गाली देने वाले, ठग, इनमें से कोई भी परमेश्वर के राज्य का वारिस नहीं होगा।

और इसलिए, पॉल, एक बार फिर, टोरा में वर्णित इन विभिन्न प्रकार की चोरी को एक साथ जोड़ रहा है, और कह रहा है कि इस तरह का व्यवहार वह व्यवहार नहीं है जो परमेश्वर के राज्य और उसके सिद्धांतों के अनुरूप है। तो, यहाँ बात यह है, आप जानते हैं, आइए यहाँ संक्षेप में बताते हैं। चोरी करना गलत है।

न केवल इसलिए कि आप अपने पड़ोसी को चोट पहुँचा रहे हैं, बल्कि इसलिए भी कि यह उन बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध है कि परमेश्वर किस तरह से वस्तुओं का वितरण करना चाहता है और हमारी ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है। तो, यह हम पर कैसे लागू होता है? हम पूछ सकते हैं। क्योंकि संभवतः हमारे समय में, आप जानते हैं, अधिकांश ईसाई इस बारे में नहीं सोचते हैं कि वे अपने पड़ोसियों को कैसे लूट सकते हैं और इसी तरह।

लेकिन चलिए वास्तविकता पर आते हैं। कुछ ऐसे कम स्पष्ट तरीके हैं जिनसे शायद कुछ लोग चोरी में शामिल होते हैं, और शायद अपने मन में इसे उचित भी ठहराते हैं। और कुछ साल पहले एक बहस हुई थी जो कुछ ईसाई धार्मिक चर्च के नेताओं के बीच हुई थी, और एक तर्क दिया गया था कि वॉलमार्ट जैसी बड़ी जगहों से चोरी करना कोई पाप नहीं है।

क्योंकि, आप जानते हैं, वे उत्पीड़क हैं, और आप उन्हें उत्पीड़क बनाने की उनकी क्षमता से वंचित कर रहे हैं। उम्म, वॉलमार्ट के साथ जो भी हो रहा है, मैं इस बारे में अधिक चिंतित हूँ कि यह मेरे साथ क्या कर रहा है, चोरी करके अपना जीवन यापन करने के लिए। क्योंकि बाइबल बिल्कुल स्पष्ट है कि जो लोग चोरी करते हैं उन्हें अब चोरी नहीं करनी चाहिए।

लेकिन इससे भी ज़्यादा सूक्ष्म तरीके हैं। मुझे सिर्फ वॉलमार्ट में जाकर टीवी सेट लेकर बाहर निकलने की ज़रूरत नहीं है, ताकि कोई गड़बड़ी हो जाए। कंप्यूटर अपराध।

अब, यह एक बहुत बड़ी बात बन गई है। और लोगों के लिए अपनी ऑनलाइन संपत्ति की सुरक्षा करने की क्षमता एक प्रमुख उद्योग बन गई है। क्योंकि अगर कोई वीडियो बनाता है, तो कोई और उसे कॉपी कर सकता है।

वे इसे डाउनलोड कर सकते हैं और इसे अपना बता सकते हैं। अगर कोई किसी खास तरह के प्लेटफॉर्म पर कोई गाना डालता है, तो कोई उसे कॉपी करके अपने दोस्तों के साथ शेयर कर सकता है। आप जानते हैं, वे इसके लिए भुगतान करते हैं, या उनके दोस्त नहीं करते।

या शायद वे इसे 10 दोस्तों के साथ साझा करते हैं, और वे सभी लागत को आपस में बांट लेते हैं। जब मैं छोटा था, जब कंप्यूटर प्रोग्राम फ्लॉपी डिस्क पर आते थे, तो लोगों के लिए एक डिस्क लेना

और उसे 10 बार कॉपी करना और अपने दोस्तों को देना और कहना कि अब हम सभी के पास एक ही प्रोग्राम है, हम सभी एक साथ काम कर सकते हैं, और इस तरह से इसे उचित ठहराते हैं। मान लीजिए, ठीक है, आप जानते हैं, ये लोग इन प्रोग्राम के लिए वैसे भी बहुत ज़्यादा पैसे लेते हैं, और इसलिए मैं इस प्रोग्राम को लेने के लिए उचित हूँ।

और हम कभी-कभी इसे तर्कसंगत बनाते हैं, आप जानते हैं। लेकिन विशेष रूप से संगीत की चोरी एक अविश्वसनीय प्रकार का उद्योग बन गया है। और कई... जब आप उद्योग में बड़े नामों के बारे में सोचते हैं, तो उन्हें इससे बहुत नुकसान नहीं होता है।

वे दावा करते हैं कि वे हैं। लेकिन जो लोग वास्तव में पीड़ित हैं वे छोटे लोग हैं, वे लोग जो सिर्फ अपने संगीत राजस्व पर इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वे लोग जिनके पास एक YouTube पेज है जिस पर वे कुछ विज्ञापन राजस्व बेचने की कोशिश कर रहे हैं, या ऐसा कुछ। वे लोग संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बहुत से लोग बिना खरीदे ही उनका सामान खरीद रहे हैं, डाउनलोड कर रहे हैं।

और फिर, आप जानते हैं, हम इसे उचित ठहराते हैं। लेकिन कई बार हम इसे उचित ठहरा सकते हैं... लोग कई तरीकों से तर्कसंगत बना सकते हैं, आप जानते हैं, यह एक तरह से मज़ेदार है। लेकिन कई साल पहले, आप तुरंत जान सकते थे कि यह कितना समय पहले की बात है जब मैंने आपको रिकॉर्ड चोरी करने के बारे में बताया था।

मेरा मतलब विनाइल से है, ठीक है? हाँ। एन आर्बर में एक ईसाई किताबों की दुकान थी जहाँ मैं स्कूल गया था। और मैं एक दिन एक विक्रेता से बात कर रहा था, और हम उनके संगीत चयन और अन्य बातों के बारे में बात कर रहे थे।

और किसी ने उनके सुरक्षा उपायों के बारे में कुछ कहा। और मैंने कहा, सच में? तो ईसाई स्टोर? और आपको चोरी के बारे में चिंता करनी होगी? और उन्होंने कहा, ओह, शायद आपको आश्चर्य होगा। और उन्होंने कहा कि लोगों में से एक, विशेष रूप से, उन्होंने कहा कि उन्हें पादरी, मंत्रियों पर नज़र रखनी होगी, क्योंकि वे किसी भी चीज़ को सही ठहरा सकते हैं।

और उन्होंने कहा कि एक घटना हुई थी जब एक मंत्री वहाँ आया था। वे जानते थे कि वह कौन था। वह वहाँ कई बार आ चुका था।

और उसने रिकॉर्ड्स, विनाइल्स को खंगालना शुरू किया, और 20 से 25 एल्बमों का एक बड़ा ढेर उठाया, और फिर बस दरवाज़े से बाहर चला गया। बाद में मिलते हैं। उनके साथ दरवाज़े से बाहर चला गया।

और विक्रेता एक दूसरे की ओर देखने लगे और बोले, क्या वह इनके लिए पैसे देता है? और उनमें से एक भागकर आया और उस आदमी का पीछा किया। और उसने कहा, ठीक है, मुझे इनके लिए पैसे देने की ज़रूरत नहीं है। मैं इन्हें प्रभु के काम के लिए इस्तेमाल कर रहा हूँ।

हाँ, हम कभी-कभी पाप को तर्कसंगत बनाने में उल्लेखनीय रूप से कुशल होते हैं, हाँ? लेकिन कंप्यूटर प्रोग्राम चुराना, इंटरनेट से संगीत चुराना, यह चोरी है। और यह सही नहीं है, आप जानते हैं, क्योंकि हम भगवान के सामान वितरित करने के तरीकों को दरकिनार कर रहे हैं और इसी तरह। काम पर सोने के बारे में क्या ख्याल है? हाँ, आप जानते हैं, सोने की ईंट।

मैंने कुछ समय पहले नॉरफ़ॉक, वर्जीनिया में सामुदायिक सेवा बोर्ड के एक कर्मचारी के बारे में पढ़ा था, जो 12 साल से काम पर नहीं आया था। 12 साल। नगर परिषद ने रिपोर्ट दी कि यह थोड़ा शर्मनाक था कि किसी ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे एक ऐसे व्यक्ति को नियमित रूप से वेतन भेज रहे थे जिसने 12 साल में कभी काम नहीं किया था।

जाहिर है, यह थोड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण है। लेकिन कई सर्वेक्षण और अध्ययन किए गए हैं, जिनसे पता चला है कि औसत व्यक्ति, और यह जितना आगे बढ़ता है उतना ही बदतर होता जाता है, आठ घंटे के दिन में से कम से कम तीन घंटे बर्बाद करता है। अब, इतना समय है कि हम अपने नियोक्ताओं से पैसे ले रहे हैं और बदले में उन्हें काम नहीं दे रहे हैं।

मेरा मानना है कि यह भी चोरी है। तो, हाँ, सर्वेक्षण में शामिल 90% लोगों ने माना कि वे हर दिन कम से कम आधा घंटा बर्बाद करते हैं, और औसत उससे कई घंटे ज़्यादा है। इस सर्वेक्षण में शामिल 2% कर्मचारियों ने माना कि वे मुश्किल से ही काम करते हैं, और फिर भी वे अपनी कंपनियों से वेतन, कभी-कभी बहुत ज़्यादा वेतन, प्राप्त कर रहे हैं।

और, आप जानते हैं, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कभी-कभी कंपनियाँ संघर्ष करती हैं और कीमतें बहुत अधिक होती हैं, है न? हम सभी उच्च कीमतों के बारे में शिकायत करते हैं, लेकिन अगर लोग कंपनी से पैसे ले रहे हैं और बदले में कोई उत्पाद नहीं बना रहे हैं, तो, ज़ाहिर है, कीमतें बढ़ने वाली हैं। और इसलिए हम सभी को नुकसान उठाना पड़ता है। भगवान से चोरी करने के बारे में क्या ख्याल है? ठीक है, अब यहाँ हम हस्तक्षेप कर रहे हैं।

मलाकी की पुस्तक के अध्याय तीन में, क्या कोई नश्वर परमेश्वर को लूटेगा? लेकिन आप पूछते हैं, हम आपको कैसे लूट रहे हैं? दशमांश और भेंट में, आप अभिशाप के अधीन हैं, आपका पूरा राष्ट्र, क्योंकि आप मुझे लूट रहे हैं, मलाकी की पुस्तक में परमेश्वर कहते हैं। अनिवार्य रूप से, परमेश्वर जो कहता है, वह यह है कि मैंने तुम्हें यह सब दिया है और मुझे तुम्हें यह बताने का अधिकार है कि इसका सबसे अच्छा उपयोग कैसे किया जाए और तुम्हें जो चीजें दी गई हैं, उनके साथ तुम्हें कैसे प्रतिक्रिया देनी है। और पुराने नियम में, परमेश्वर ने कहा, तुम्हें मंदिर का समर्थन करने, पुरोहिती का समर्थन करने और दशमांश लाने के लिए भंडारगृह में दशमांश लाना है।

समुदाय के लोगों के लिए भी प्रावधान करें। दशमांश और चढ़ावे के इस्तेमाल के ये सभी तरीके थे। अब, हमारे समाज में दशमांश देना बहुत पुराना हो गया है।

और जब लोग अब अप्रचलित हो चुके कानूनों के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो वे आमतौर पर आपको यह नहीं बताते कि हत्या अप्रचलित हो गई है, या अगर कोई उनसे चोरी कर रहा है, तो वे बस यह नहीं कहने जा रहे हैं कि चोरी के कानून अप्रचलित हो गए हैं। लेकिन कितने लोग

यह तर्क देने के लिए तैयार हैं कि दशमांश देना अप्रचलित हो गया है और आधुनिक ईसाई जीवन में इसका कोई स्थान नहीं है? दुर्भाग्य से, मैंने कई लोगों से पूछा है। लेकिन मैं इस बारे में सोचना चाहता हूँ और यहाँ शामिल सिद्धांत के बारे में सोचना चाहता हूँ।

मैं तुम्हें एक छोटी सी कहानी सुनाता हूँ। पर्सीवल नाम का एक आदमी था। उसके माता-पिता को उसके लिए माफ़ कर दो।

लेकिन पर्सीवल नाम का एक आदमी। और पर्सीवल के पास एक सुंदर झील के किनारे एक झोपड़ी है। और एक दिन, उसकी दूसरी चचेरी बहन, मटिल्डा, पर्सी को फोन करती है और पूछती है कि क्या वह कुछ महीनों के लिए उसके केबिन में रह सकती है, जबकि वह क्षेत्र में कुछ व्यवसाय कर रही है।

ठीक है, ज़रूर, पर्सी कहता है। क्यों नहीं? मैं तुम्हें बताता हूँ। बस मुझे हर महीने कुछ सौ डॉलर भेज दो।

इससे उपयोगिताओं का खर्चा निकल जाएगा। इससे सभी खर्चे, टूट-फूट, इस तरह की कोई भी चीज़ कवर हो जाएगी। और बेशक, मटिल्डा कहती हैं, कोई समस्या नहीं है।

महीने में दो सौ डॉलर। यही तो सौदा है, तुम्हें पता है? उसे पर्सी का केबिन मिल जाता है और बदले में उसे हर महीने थोड़े पैसे देने पड़ते हैं। अब, पहला महीना आता है और चला जाता है, और मटिल्डा पर्सी को कोई पैसा नहीं भेजती।

तो पर्सी ने उसे फोन किया और पर्सी ने पूछा, तो मटिल्डा, मेरे 200 डॉलर कहाँ हैं? आपने देखा, पर्सी ने यह नहीं कहा, तुम्हारे 200 डॉलर कहाँ हैं? वह कहता है, मेरे 200 डॉलर कहाँ हैं? यह वह पैसा है जो उसे देना है। यह वही है जिस पर सहमति बनी थी। उसे कॉटेज का लाभ मिलता है, और बदले में, उसे उसे 200 डॉलर देने चाहिए, आप जानते हैं? और मटिल्डा कहती है, ओह, आप जानते हैं, मेरे कुछ अप्रत्याशित खर्च थे।

लेकिन चिंता मत करो, मैं जो कर सकता हूँ, करूँगा। और मटिल्डा पर्सी को 10 डॉलर भेजती है। अगले महीने, एक बार फिर, वह पैसे नहीं भेजती।

और पर्सी ने उसे फ़ोन किया, उसे याद दिलाया, तुम जानती हो, मटिल्डा, तुम्हें मुझे यहाँ हर महीने 200 डॉलर भेजने थे। और वह कहती है, ओह, हाँ, जी, मैं भूल गई। मुझे इसके लिए खेद है।

चिंता मत करो, मैं इस पर तुरंत काम करूँगा। और वह उसे 10 डॉलर और भेजती है। अगले महीने, जब मटिल्डा फिर से नकदी नहीं भेजती, तो पर्सी उसे फोन करता है।

और इस बार, वह सिर्फ़ थोड़ा सा ही नाराज़ नहीं है। मटिल्डा, तुम मेरी जगह का इस्तेमाल कर रही हो। तुम मेरे संसाधनों का इस्तेमाल कर रही हो।

तुम मेरी उपयोगिताओं का उपयोग कर रहे हो। इससे मुझे पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। और अब, तुम मुझे वह चेक क्यों नहीं भेजोगे जिसका तुमने वादा किया था? और मटिल्डा उसे 20 डॉलर का चेक और एक बुरा नोट भेजती है जिसमें उसे बताया गया है कि वह कितना लालची है।

खैर, फिर मटिल्डा कॉटेज में ही रहती है। पर्सी तय करता है कि अब समय आ गया है कि वह जाकर चीजों की जांच करे। इसलिए, वह कॉटेज की ओर जाता है, और पाता है कि घर के सामने एक बड़ी, बिल्कुल नई कैडिलैक खड़ी है।

और मटिल्डा बाहर आती है, और वह पूरी तरह से तैयार है, और उसके बाल बहुत अच्छे से बने हुए हैं। और पर्सी कहता है, अच्छा, जी, ऐसा लगता है कि तुम मेरे साथ बहुत अच्छा कर रही हो, मटिल्डा। और वह कहती है, अच्छा, तुम जानती हो, मेरे सारे खर्चों के साथ, तुम जानती हो, मैं मुश्किल से अपना गुजारा कर पाती हूँ।

और यहाँ तुम यहाँ आ रहे हो, और तुम मुझसे पैसे की माँग करने जा रहे हो। यहाँ निष्कर्ष क्या है? यहाँ निष्कर्ष यह है कि मटिल्डा एक चोर है, एक चोर। और फिर भी उसका रवैया बहुत से लोगों के समान है जो ईश्वर द्वारा हमें दिए गए सभी अद्भुत आशीर्वादों का आनंद लेते हैं और फिर भी ईश्वर के काम का समर्थन करने से इनकार करते हैं और जो सोचते हैं और नाराज़ हो जाते हैं और क्रोधित हो जाते हैं यदि शायद मंत्री उन्हें याद दिलाते हैं कि दशमांश देना एक बाइबिल सिद्धांत और एक अनुशासन है जिसे सभी ईसाइयों को विकसित करने के लिए कहा जाता है।

भगवान उन लोगों पर वज्रपात नहीं बरसाएंगे जो दशमांश देने में विफल रहते हैं। हालाँकि, आप जानते हैं, मैंने कई बार सोचा है कि शायद यह अच्छी बात नहीं होगी। लेकिन वैसे भी, बात यह है कि लोग संपत्ति से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं।

भगवान हमारे बारे में हमारे पैसे से ज़्यादा परवाह करते हैं। लेकिन बेशक, जिस तरह से हम अपने पैसे का इस्तेमाल करते हैं, जिस तरह से हम अपनी संपत्ति का इस्तेमाल करते हैं, वह अक्सर इस बात का एक अच्छा पैमाना होता है कि हम अपना जीवन कैसे जी रहे हैं और भगवान के साथ हमारा कैसा रिश्ता है। तो, संक्षेप में, इस आज्ञा के पीछे का सिद्धांत यह पहचानना है कि भगवान आखिरकार सभी चीजों के मालिक हैं और हम भगवान की चीजों के प्रबंधक हैं।

और इसलिए भगवान को हमें यह बताने का अधिकार है कि हम पैसे कैसे कमाते हैं, हम पैसे का उपयोग कैसे करते हैं, और हम दूसरों के साथ कैसे साझा करते हैं। और अगर हम ऐसा कर सकते हैं, तो हम जीवन में और अधिक खुशियाँ पाएँगे। और हम यह भरोसा करना सीख पाएँगे कि भगवान हमें प्रदान करना जारी रखेंगे।

यह डॉ. एंथनी जे. टॉमसिनो और दस आज्ञाओं पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 9, आज्ञा 8 - चोरी न करें है।